भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2101

उत्तर देने की तारीख : सोमवार, 08 मार्च, 2021

17 फाल्गुन, 1942 (शक)

पांच पुरातात्विक स्थलों का विकास

2101. श्री महेश साहू:

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2020-21 के बजट में राष्ट्रीय स्तर पर इस क्षेत्र हेतु 2500 करोड़ रूपये के बजटीय आवंटन के हिस्से का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने देशभर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पांच पुरातात्विक स्थलों के विकास की घोषणा की थी तथा इन स्थलों के चयन संबंधी मानदण्ड क्या है;

(ग) क्या ओडिशा का कोई स्थल योजना हेतु पास किया गया है; और

(घ) क्या सरकार का विचार इस योजना में कोनार्क स्थित सूर्य मंदिर, पुरी के जगन्नाथ मंदिर तथा धौली स्थित बौद्ध शांति पगोडा जैसे ओडिशा के पुरातात्विक स्थलों को शामिल करने का है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) : बजट अनुमान 2020-21 में मंत्रालय के कुल 3149.86 करोड़ रुपए के बजट आवंटन में से, 1246.75 करोड़ रुपए वेतन व्यय, विकासात्मक कार्य, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के स्थलों और संग्रहालय आदि के संरक्षण तथा परिरक्षण कार्य के वहन के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को आवंटित किए गए हैं।

वर्ष, 2020-21 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के बजट आवंटन में से राजस्व उप शीर्ष 'पुरातत्वीय संग्रहालय-लघु कार्य' के तहत 20.00 करोड़ रूपए, पूंजीगत शीर्ष (प्रमुख कार्य) के तहत 35.00 करोड़ रूपए और राजस्व उप शीर्ष 'पुरातत्वीय अन्वेषण तथा उत्खनन-अन्य प्रभार' के तहत 5.10 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया था। स्थल संग्रहालय सहित 05 प्रतिष्ठित स्थलों अर्थात् राखीगढ़ी, हस्तिनापुर, शिवसागर, धोलावीरा तथा अदिचनल्लूर का किसी भी प्रकार का विकास कार्य, यथा मान्य, इन उप शीर्षों के माध्यम से किया जा सकता है।

(ख) : जी, हां। बजट 2020 में भारत सरकार ने भारत में पांच (05) प्रतिष्ठित स्थलों का विकास करने की घोषणा की थी, जिनमें- 1. हस्तिनापुर (उत्तर प्रदेश), 2. राखीगढ़ी (हरियाणा), 3. शिवसागर (असम), 4. धोलीवारा (गुजरात) और 5. अदिचनल्लूर (तमिलनाडु) शामिल हैं। इन स्थलों को उनके असाधारण पुरातत्वीय/ऐतिहासिक मान्यताओं के कारण चुना गया है। प्रत्येक स्थल भारतीय इतिहास और सांस्कृतिक विकास के अनूठे पहलुओं का चित्रण करता है। ये स्थल अमूल्य पुरातत्वीय अमानत हैं, जिसे आम जनता के अवलोकन के लिए प्रदर्शित किया जा सकता है।

(ग) और (घ) : वर्तमान में केवल पांच (05) स्थल चुने गए हैं।

*****